

पेरसि ज़कि रूफर्स

[स्रोत: द हट्टि](#)

हाल ही में फ्रांसीसी संस्कृति मंत्रालय ने पेरसि में ज़कि रूफिंग पेशे को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत (ICH) सूची के लिये नामति कथि, जसिमें शलिप कौशल पर प्रकाश डाला गया ।

- ज़कि की छतें लगभग 200 वर्षों से पेरसि की वास्तुकला का अभनिन अंग रही हैं, जसिके तहत भवनों के नरिमाण में व्यापक रूप से 21.4 मिलियन वर्ग मीटर ज़कि-रूफ का योगदान है ।
 - ज़कि की छतें पेरसि की भव्यता का हसिसा हैं, लेकनि खराब इन्सुलेशन/तापावरोधन के कारण इमारतें गर्म हो जाती हैं, इस कारण इसकी आलोचना भी की जाती है; क्योकि ज़कि की छतें ऊष्मा के अवशोषण को बढाती हैं जसिसे आंतरिक तापमान में वृद्धि हो जाती है ।
- यूनेस्को की ICH सूची में ऐसे ज्ञान और कौशल शामिल हैं, जो पीढियों से चले आ रहे हैं, जैसे ब्राचिक /मौखिक परंपराएँ, प्रदर्शन कलाएँ, सामाजिक प्रथाएँ, अनुष्ठान, उत्सव, पारंपरिक शलिप तथा समकालीन ग्रामीण व शहरी प्रथाएँ ।
- यूनेस्को ICH सूची में भारत के कुल 15 तत्त्व अंकति हैं ।

यूनेस्को में भारत की अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत की सूची:

सूची	अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत तत्त्व	यूनेस्को हेरिटिज नामांकन का वर्ष
1.	कुटियाट्टम, संस्कृत रंगमंच	2008
2.	वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा	2008
3.	रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन	2008
4.	राममन, गढवाल हमिलय, भारत का धार्मिक उत्सव और अनुष्ठानिक रंगमंच	2009
5.	छऊ नृत्य	2010
6.	राजस्थान के कालबेलिया लोकगीत और नृत्य	2010
7.	मुदयिट्टू, केरल का अनुष्ठानिक रंगमंच और नृत्य नाटक	2010
8.	लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार: ट्रांस-हमिलयी में पवतिर बौद्ध ग्रंथों का पाठ लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत	2012
9.	मणपुरि का संकीर्तन, अनुष्ठानिक गायन, ढोल वादन और नृत्य	2013
10.	जंडयिला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच बर्तन बनाने का पारंपरिक पीतल और ताँबे का शलिप	2014
11.	नवरोज़	2016
12.	योग	2016
13.	कुंभ मेला	2017
14.	कोलकाता में दुर्गा पूजा	2021
15.	गुजरात का गरबा	2023

